

स॥ अतपयुः आदिन संपत्ति धनधान्य लालय
॥ ॥ अ॥ ससुखाग विष्टिकात्रि वाधिनपिदः
पिदः ॥ ॥ न॥ मृत्युशय सैददममाला नामनम
दवशुभा ॥ ॥ द॥ सुमिलारा सर्वकार्कसिद्धिशय
व॥ ॥ ग॥ अय वात धातुनास सवर्ष लालय
य॥ ॥ द॥ पादसैदद कार्कविष्टिमाता अससा ॥

ग॥ सर्वकार्कसिद्धि सैददममाला ॥ ॥ रुद्रद॥ वाः
मडलपिशय मर्ष निरुपमाशय ॥ ॥ य॥
पुत्रपारा असवृद्धि वानकाशका असराशुभा ॥
अमा॥ निर्वधनचकार्कभा अगति असुखनश
य॥ धनमिधिसवावयादना ॥ ॥ ॥ अग्निनीयाद
ना॥ पा॥ असवन पा॥ विद्यासय पा॥ साताही

या ५ ता म्माय अमदय ॥ ॥ रा ॥ या १ ता म्माय सखी या २
विद्यावादिश्य या ३ के व आणी या ४ स विवकाः
मल ॥ ॥ क ॥ या १ नं व न या २ गु व न या ३
का की सा न या ४ वी डा दी घायुश्य ॥ ॥ या ॥ २
या १ मो ताणी या २ पं डी न या ३ ठा मित्र या ४ कि
रि व न सा की क स ॥ ॥ म ॥ या १ य प य या २

खश्य या ३ आणी ता ता व न या ४ पु रु स ल श्री
व न शय ॥ ॥ ज ॥ या १ खश्य या २ दा विड या ३
अ ल्या य या ४ द ष आ ल्या य शय ॥ ॥ य ॥ या १ ता
णी स विद्या २ विद्यावादिश्य या ३ के व आणी
या ४ ठा मित्र का मल ॥ ॥ घ ॥ या १ ध नी शय व या २
सा ता व म न्द उ मित्र ता य य या ३ ताणी या ४ साः

ताणि श्रुय ॥ ॥ अ ॥ पा १ धन धन्य ताणी पा २ सि
 व स न न व निव पा ३ क व आणी पा ४ क ल स व स
 याय ॥ ॥ म ॥ पा १ ना धन व य य व पा २ य य ताणी २
 पा ३ ती र्थ ना ता द्वा य ॥ पा ४ स र्व स प ति स रि ॥ ॥
 पा १ पा २ ना म श्री ३ पा २ म स म ध ३ पा ३ स व ३ पा ४ यि
 पा ४ अ ल्पा य प ष्ठा त स रि ॥ ॥ ड ॥ पा १ ना म ताः

णी पा २ ना म ता रि पा ३ ण क डि ता पा ४ ध र्मः
 वी त स वा क ॥ ॥ ह ॥ पा १ स व या सा ता व पा २
 क ल वा दि पा ३ आ णी पा ४ ण स व न व य म ॥ ॥
 पा १ पा २ ना म ता व पा २ ना ना वि वि उ क स य व
 पा ३ य सि ३ त पा ४ य सि त वा क ॥ ॥ ता नि ॥ पा १
 तं ड व न म ण ता णी पा २ स र्व ता णी पा ३ आ य म

इ पादे जामसहय॥ ॥ वि॥ पा१ निमिमासुसय
पा२ सुखताणी पा३ सुखवादि पा४ यस्मावको॥ ॥
अन॥ पा१ सूत्रवक्त पा२ धर्मावागत पा३ वाजः
मन्त्री पा४ गाम्नाय उदात्तगत॥ ॥ अ॥ पा१
सूत्रशयव पा२ मदावा पा३ पलित पा४ वः
द्रुपयताणी॥ ॥ म॥ पा१ ताणीशय पा२ दाता

पा३ सनापति पा४ वेजामताणी सर्वसेचरि लाय॥ ॥
पा॥ पा१ वगतवक्त पा२ वाजसमान पा३ विवक्तन
पा४ ताणि प्रियताणीशय॥ ॥ अ॥ पा१ जामः
ताणी पा२ सर्वसुखि संपद पा३ अहिमान पा४
प्रियवयविधन॥ ॥ अ॥ पा१ मानमाय पा२ मा
नीमया पा३ संपयीफि पा४ दिद्याय ताणि॥ ॥

ध॥ पा१ दीघाय पा२ नित्राणि पा३ पंदित च ६
 पछमग सत्ता न दाय ॥ ॥ ६॥ पा१ पंदित पा२
 दव्ववैर पा३ सरपाफि पा४ हीतानवैत ॥ ॥ ७
 प॥ पा१ सात्ताका पा२ स्वशय पा३ रिखमशय
 पा४ मकिरि ताछी ॥ ॥ ८॥ पा१ यात्रताछी पा२
 स्वशयव पा३ पययाछी पा४ यात्रमन्त्री पा५ ॥ ॥

॥ पा१ सववक अर्थवक सा निश्चखाल पा३
 छमगशय पा४ केवक योतनक ॥ ॥ ९॥ पा१ नकयया पा
 दनव्ववसयक ॥ ॥ ॥ १०॥ पा१ दल ॥
 विस्तार ॥ सर्वकार्य सिद्धि शय ॥ ॥ ११॥ पा१ ताकाल
 यतीवार पणव कार्क सिद्धि ॥ ॥ १२॥ पा१ आय आय
 वलदय दृष्टक कष नास शय ॥ ॥ १३॥ पा१ समर

कार्त्तसिद्धिरुच्य ॥ ॥ ६४ ॥ सो ता रू व न न स वः
न रुच्य ॥ ॥ ६५ ॥ सो क र्त्त स नो य कार्त्त ना स रुच्य ॥ ॥
६६ ॥ सो ता व न लो क या क र्त्त मा न द य ॥ ॥ ६७ ॥
न स व द्दि कार्त्त स र्व स प र्त्ति रुच्य ॥ ॥ ६८ ॥
६९ ॥ सो ता व न लो क या क र्त्त मा न द य ॥ ॥ ७० ॥
७१ ॥ सो ता व न लो क या क र्त्त मा न द य ॥ ॥ ७२ ॥
७३ ॥ सो ता व न लो क या क र्त्त मा न द य ॥ ॥ ७४ ॥
७५ ॥ सो ता व न लो क या क र्त्त मा न द य ॥ ॥ ७६ ॥
७७ ॥ सो ता व न लो क या क र्त्त मा न द य ॥ ॥ ७८ ॥
७९ ॥ सो ता व न लो क या क र्त्त मा न द य ॥ ॥ ८० ॥

सर्वसंपत्तिराय ॥ ॥ ८१ ॥ चित्तप्रकाशकार्त्तसिद्धिरु
च्य ॥ ॥ ८२ ॥ चित्तप्रकाशकार्त्तसिद्धिरुच्य ॥ ॥ ८३ ॥
८४ ॥ चित्तप्रकाशकार्त्तसिद्धिरुच्य ॥ ॥ ८५ ॥
८६ ॥ चित्तप्रकाशकार्त्तसिद्धिरुच्य ॥ ॥ ८७ ॥
८८ ॥ चित्तप्रकाशकार्त्तसिद्धिरुच्य ॥ ॥ ८९ ॥
९० ॥ चित्तप्रकाशकार्त्तसिद्धिरुच्य ॥ ॥ ९१ ॥
९२ ॥ चित्तप्रकाशकार्त्तसिद्धिरुच्य ॥ ॥ ९३ ॥
९४ ॥ चित्तप्रकाशकार्त्तसिद्धिरुच्य ॥ ॥ ९५ ॥
९६ ॥ चित्तप्रकाशकार्त्तसिद्धिरुच्य ॥ ॥ ९७ ॥
९८ ॥ चित्तप्रकाशकार्त्तसिद्धिरुच्य ॥ ॥ ९९ ॥
१०० ॥ चित्तप्रकाशकार्त्तसिद्धिरुच्य ॥ ॥

विविधानां दानं धर्मं देवकार्यं कोपनं कुर्यात् ॥
पवित्रं दद्यात् नाम वानकं वानलिशिखं ॥
शिवं साहायकं असंवृद्धिं कुर्यात् ॥ सिद्धिः ॥
विनायाकारं सिद्धिं कुर्यात् ॥ साध्यादिना सिद्धिः ॥
मनुसंयमि कुर्यात् ॥ ॥ ॥ सर्वकारं मनसुः
कर्मसिद्धिः ॥ ॥ ॥ नानाकर्मसंयितं वस्तु परिणीतं

न लक्ष्मीं नैष्यति न कुर्यात् ॥ ॥ ॥ धर्ममात्रं
धनधान्यानि कुर्यात् ॥ ॥ ॥ धनधान्यं नैष्यत्
प्राप्तं ॥ ॥ ॥ धर्मं ॥ ॥ ॥ दत्तं को निरूप्य विनायकं
साधिकां धर्मं यातां ॥ ॥ ॥ मरुतं
को निनवावयादुल ॥ ॥ ॥ विधिं यमयाय ॥ ॥ ॥
संयमि ॥ निधनि कुर्यात् ॥ ॥ ॥ मिथुनं

कानि ॥ छयु ॥ लाकयाक मा न पि मि श्रय ॥ ॥ कः
कट से कानि ॥ अस दानि ॥ कलया दान ॥ अस या यम
दू ॥ ॥ सिंद ॥ पि ता रा कि धन वन ॥ तं न व न धि
ऊ व न ॥ ॥ के न्या ॥ स ता व न ॥ ला क व य व ॥ ॥
यु न्या ॥ पि य व न ॥ ला मि रा की ॥ धा नी क श्रय ॥ ॥
वि न्या ॥ क ला क न व न ॥ क रि य मा न दी न ॥ ॥ धः

न से कानि ॥ द र्घ व न ॥ धन व न ॥ सै य कि सा ता नि ॥ ॥
म क य सै ॥ ध न द या य त ॥ अ र्थ दि न ॥ धा न दी न
॥ ॥ क म सै ॥ क र वि यं अ य का वि ॥ स र्व दानि
ला क वा म य व ॥ ॥ म न सै कानि न व द या ॥
य ले ड य का वि ॥ स र्व दानि ॥ अ स व न ॥ स ता की
॥ ध न सै कानि न व द या ॥ अ र्थ दि न ॥ ॥

१५७७५

ASHA ARCHIVES

1380

१५७७५

२